एम. कॉम
तृतीय सत्र

# वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

**(एम. कॉम)**

## सत्रीय कार्य

2026

जनवरी 2026 तथा जुलाई 2026 प्रवेश सत्र के लिए

## तृतीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

# प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
# इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

## वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि
## तृतीय सत्र
### सत्रीय कार्य - 2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2026 और जुलाई 2026)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2026** है।

2. जो **जुलाई 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2027** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का कोड** | **:** | **एम. सी. ओ. -07** |
| **पाठ्यक्रम का शीर्षक** | **:** | **वित्तीय प्रबंध** |
| **स्त्रीय कार्य का कोड** | **:** | **एम. सी. ओ. -07/टी. एम. ए./ 2026** |
| **खण्डों की संख्या** | **:** | **सभी खण्ड** |

**अधिकतम अंक : 100**

**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

**1.** क (आधुनिक व्यावसायिक संगठन में वित्तीय प्रबंधन की भूमिका की व्याख्या कीजिए। वित्तीय प्रबंधन के प्रमुख उद्देश्यों की चर्चा कीजिए तथा गतिशील एवं प्रतिस्पर्धात्मक व्यावसायिक परिवेश में वित्तीय प्रबंधकों के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए। (10+10)

ख ) एक कंपनी को विस्तार के लिए 5 वर्षों के बाद ₹5,00,000 की आवश्यकता है। प्रचलित ब्याज दर 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष (वार्षिक चक्रवृद्धि) है।

(i) आवश्यक राशि का वर्तमान मूल्य ज्ञात कीजिए।

(ii) अगर पार्ट 1 में गणना की गई रकम को आज 12 प्रतिशत की दर से निवेश किया जाता है, तो 5 साल बाद उसकी भावी मूल्य (Future value) की गणना करें?

सभी गणनाएँ स्पष्ट रूप से दर्शाइए तथा प्रबंधकीय निर्णय-निर्माण के दृष्टिकोण से परिणामों की व्याख्या कीजिए।

**2.** पूंजी बजटिंग निर्णयों में प्रयुक्त विभिन्न निवेश मूल्यांकन तकनीकों की चर्चा कीजिए। उनके गुणों और दोषों की आलोचनात्मक जांच करें। (20)

**3.** पूंजी की लागत की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। वित्तीय निर्णय-निर्माण में पूंजी की लागत के महत्व की चर्चा कीजिए तथा समग्र पूंजी लागत के प्रमुख घटकों का वर्णन कीजिए। (20)

**4.** क) इक्विटी शेयर मूल्यांकन में प्रयुक्त विभिन्न लाभांश मूल्यांकन मॉडलों की व्याख्या कीजिए। वाल्टर मॉडल एवं गॉर्डन वृद्धि मॉडल की मान्यताओं एवं प्रयोज्यता की तुलना कीजिए तथा वास्तविक जीवन के मूल्यांकन निर्णयों में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (10+10)

ख (एक कंपनी ने अभी-अभी ₹5 प्रति शेयर का लाभांश दिया है। लाभांश के 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष की स्थिर दर से बढ़ने की अपेक्षा है। निवेशकों की अपेक्षित प्रतिफल दर 14 प्रतिशत है। गॉर्डन वृद्धि मॉडल का उपयोग करते हुए शेयर का आंतरिक मूल्य ज्ञात कीजिए। ₹70 के बाजार मूल्य पर शेयर खरीदने पर विचार कर रहे निवेशक के लिए परिणाम की व्याख्या कीजिए।

**5.** कार्यशील पूंजी प्रबंधन में ऋण नीति के उद्देश्यों एवं महत्व की चर्चा कीजिए। देय प्रबंधन के प्रमुख तत्वों की उपयुक्त व्यावसायिक उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए। (20)